GARDNERS

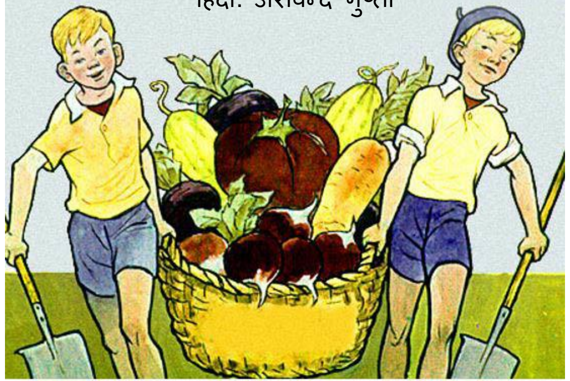
NIKOLAI NOSOV

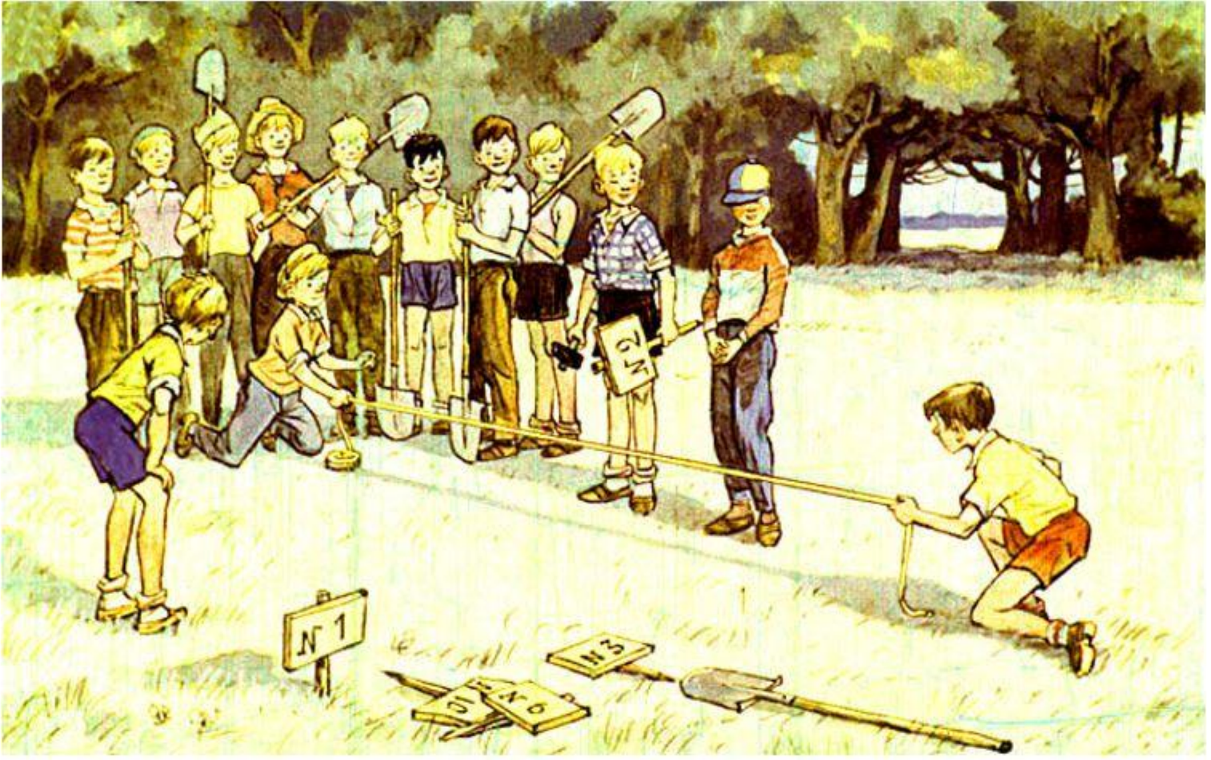
माली

निकोलाई नोसोव

चित्र: आई. सेम्योनोव

हिंदी: अरविन्द गुप्ता





पिछली गर्मियों में पायनियर शिविर में पहुंचने के एक या दो दिन बाद, हमारे पायनियर नेता वित्या ने घोषणा की कि हमें खुद अपना सब्जी का बगीचा लगाएंगे. हम इस बात पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए कि काम को कैसे व्यवस्थित किया जाए और कौन सी सब्जियां लगाई जाएं. बगीचे को छोटे-छोटे भूखंडों में विभाजित करने और प्रत्येक भूखंड पर दो पायनियर्स की टीमों को नियुक्त करने का निर्णय लिया गया. सर्वश्रेष्ठ प्लाट के लिए प्रतियोगिता होगी और विजेता को पुरस्कार मिलेगा. अग्रणी टीमें, पिछड़ने वाली टीमों की मदद करेंगी ताकि मिट्टी पर अच्छी खेती की जा सके और अच्छी फसल पैदा हो सके.

मिश्का और मैंने एक ही टीम में शामिल होने की विनती की. शिविर में आने से पहले हम इस बात पर सहमत हुए थे कि हम एक साथ काम करेंगे और एक-साथ मछली पकड़ेंगे और सब काम एक-साथ करेंगे.

वादिक जैतसेव ने सबसे पहले खुदाई पूरी करने वाली टीम को, एक चैलेंज बैनर देने का प्रस्ताव रखा. हर कोई उससे सहमत हुआ और यह निर्णय लिया गया कि वो बैनर सबसे अच्छे मालियों को और फिर सबसे अच्छे खरपतवार निकालने वालों को दिया जाए. और जो टीम सबसे बड़ी और अच्छी फ़सल उगाएगी वो उस बैनर को वापस शहर ले जाएगी.

मिश्का और मैंने उस बैनर को जीतने का अपना मन बना लिया.

मिश्का ने कहा, "हम उसे शुरुआत में ही जीतेंगे और हम उसे पूरी गर्मियों में कहीं जाने नहीं देंगे और वो बैनर हमारे साथ शहर वापस जाएगा."



हमें नदी के पास ज़मीन का एक टुकड़ा मिला. हमने उसे मापा, भूखंडों पर निशान लगाए और उन पर नंबर लिखकर, लकड़ी के मार्कर चिपका दिए. मिश्का और मुझे प्लॉट नंबर 12 मिला. मिश्का संतुष्ट नहीं था. वो वित्या के पास यह शिकायत करने के लिए भागा कि हमें सबसे खराब प्लॉट दिया गया था.

"वो सबसे खराब क्यों है?" वित्या ने पूछा.

"क्योंकि उसमें बीच में एक छेद है!"

"उससे क्या हुआ," वित्या हंसा. "देखो वो एक छेद नहीं है, वो एक घोड़े के खुर का निशान है."

"हमारे प्लॉट में एक पेड़ का ठूंठ भी है," मिश्का ने बड़बड़ाते हुए कहा.



"अन्य प्लॉट्स पर भी पेड़ों के ठूंठ हैं."

लेकिन मिश्का ने वित्या की बात नहीं सुनी.

"हमें उसे खोदना होगा," वो चिल्लाया.

"ठीक है, फिर जाओ और उसे खोदो. अगर तुम्हें मदद की ज़रूरत होगी तो दूसरे तुम्हारी मदद करेंगे."

"धन्यवाद, हम खुद वो काम कर लेंगे," मिश्का ने खीझते हुए कहा. "और साथ में हम दूसरों की भी मदद करेंगे."

"वो बहुत अच्छा होगा!" वित्या ने कहा.



सभी ने खुदाई शुरू कर दी. मिश्का और मैंने भी. लेकिन हर कुछ मिनटों बाद मिश्का खुदाई करना बंद कर देता था और दौड़कर देखने जाता था कि दूसरों ने कितना काम किया था.

मैंने उससे कहा, "अगर तुम काम नहीं करोगे तो जल्द ही हम दूसरों से बहुत पीछे छूट जायेंगे."

"वो सब ठीक है," मिश्का ने कहा. "मैं जल्दी ही उन तक पहुंच जाऊंगा."

उसने खुदाई करना शुरू की, लेकिन थोड़ी सी देर में वो फिर से कट लिया.

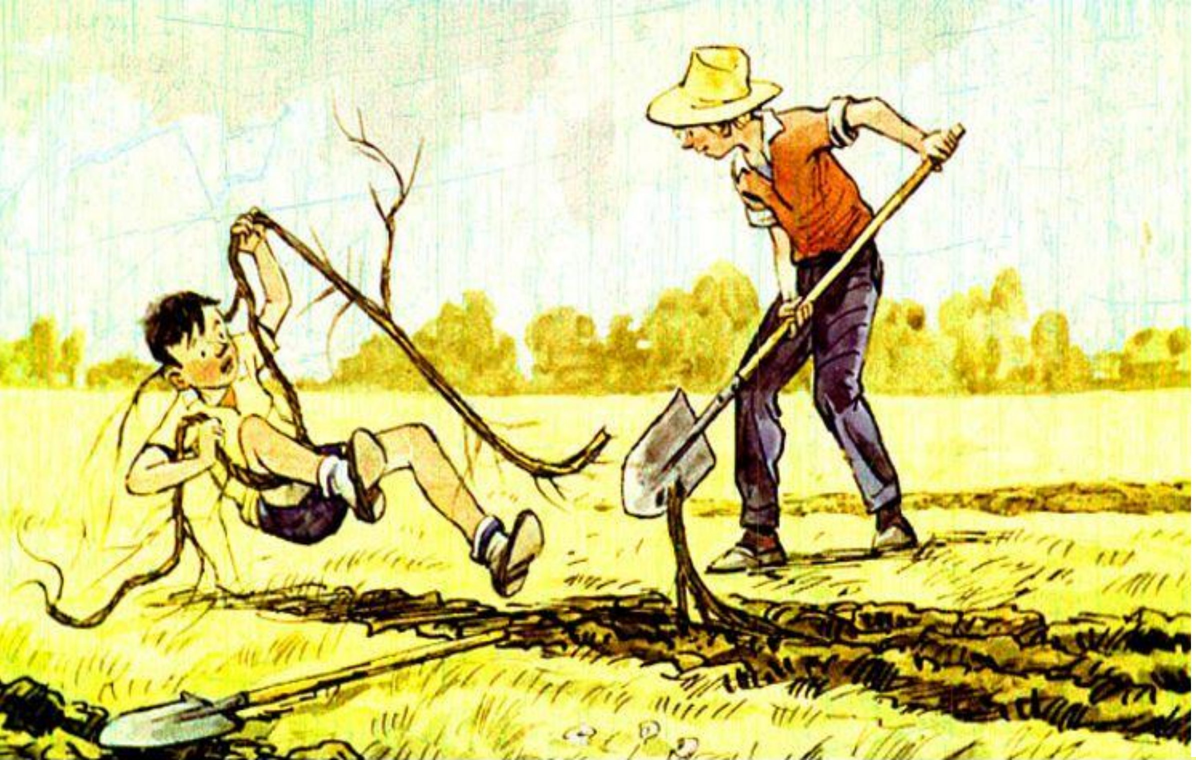
उस दिन हम ज्यादा कुछ काम नहीं कर पाए क्योंकि जल्दी ही रात के खाने की घंटी बज गई. मिश्का और मैं रात के खाने के बाद प्लॉट पर जाना चाहते थे, लेकिन वित्या ने हमें रोक दिया.

"तुम लोगों ने एक दिन के लिए पर्याप्त काम किया है. हम केवल सुबह के समय ही काम करेंगे. रात के खाने के बाद हम आराम करेंगे. नहीं तो कुछ लोग पहले दिन बहुत अधिक काम करेंगे और वे बाद में काम नहीं कर पाएंगे."



अगली सुबह मिश्का और मैं दूसरों से पहले अपने प्लॉट पर पहुंचे और हमने खुदाई शुरू कर दी. थोड़ी देर बाद मिश्का ने वित्या से टेप मांगा यह देखने के लिए कि हमने कितनी खुदाई की थी और अभी कितनी बचा थी. उसके बाद उसने थोड़ी और खुदाई की और फिर से मापना शुरू कर दिया. और हर बार जब उसने मापा तो उसने पाया कि हमने पर्याप्त काम नहीं किया था.

"बेशक हमने नहीं किया है," मैंने कहा. "क्योंकि मैं खुदाई कर रहा हूं. और तुम सिर्फ माप रहे हो."



उसने मापने वाले टेप को नीचे फेंक दिया और फिर से खुदाई शुरू कर दी. लेकिन उसने अभी ज्यादा कुछ नहीं किया था तभी उसकी कुदाल एक जड़ से टकराई और फिर उसने जड़ उखाड़ने के लिए खुदाई बंद कर दी. उसने जड़ का खींचा और खींचा लेकिन वो ऊपर नहीं आई. उसने जड़ निकालने की पूरी कोशिश की और उस दौरान उसने अगले प्लॉट का कुछ हिस्सा भी खोद डाला.

"उसे छोड़ दो!" मैंने कहा था. "तुम उसे लेकर क्यों इतने परेशान हो रहे हो?"

"मुझे क्या पता था कि वो जड़ आधा मील लंबी होगी?“

"ठीक है, उसे रहने दो."

"लेकिन हमें उस काम को ख़त्म तो करना ही होगा, है ना?"

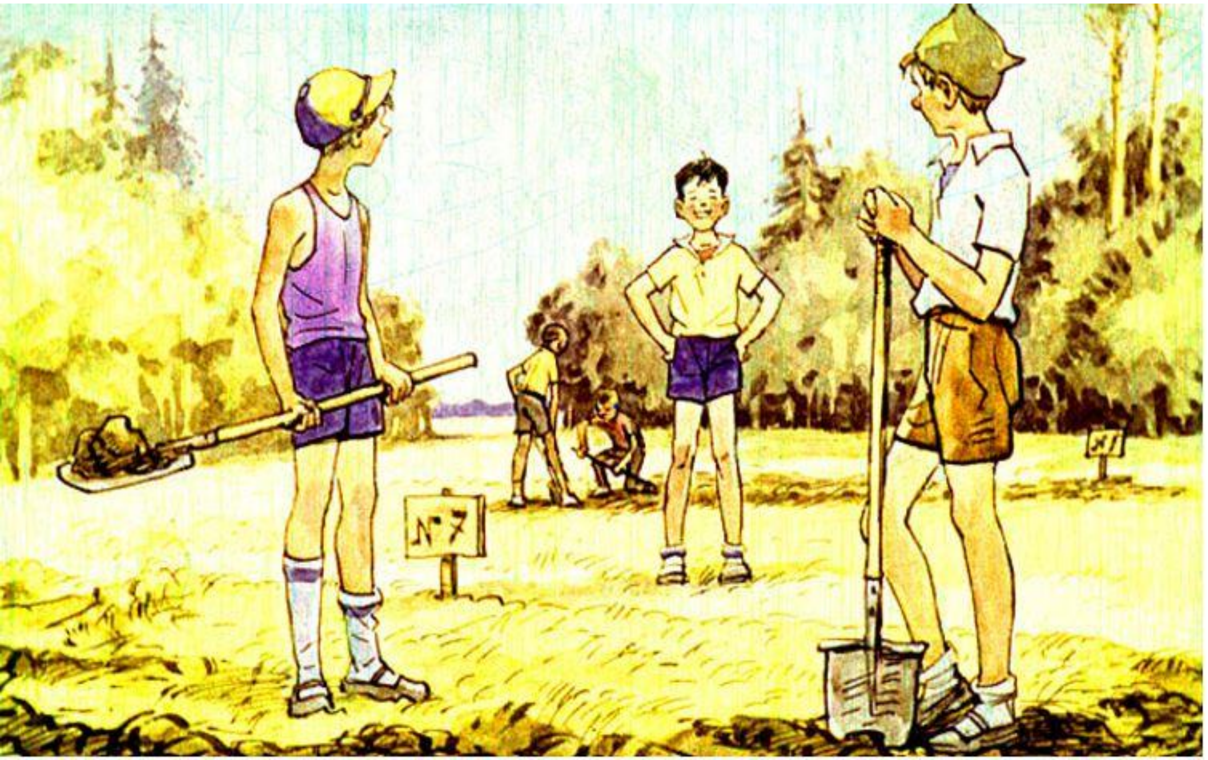
“तुम्हें उससे क्या फर्क पड़ता है?”

"मैं उस तरह का आदमी हूं. अगर मैं कुछ शुरू करूं तो फिर मैं वो ज़रूर पूरा करता हूं."

उसने जड़ को फिर दोनों हाथों से पकड़ा. मुझे गुस्सा आया, मैं जड़ के पास गया और मैंने अपनी कुदाली से उसे काट डाला. फिर मिश्का ने टेप लेकर उसे मापा.

"ज़रा देखो," मिश्का ने कहा. "पूरे साढ़े छह मीटर लम्बी निकली! अगर हमने उसे नहीं काटा होता तो शायद वो बीस मीटर लम्बी हो जाती!"

मैंने कहा: "अगर मुझे पता होता कि तुम काम करने के बजाए इधर-उधर भटकते रहोगे तो फिर मैं कभी तुम्हारे साथ नहीं जुड़ता."



"अगर तुम चाहो तो तुम अकेले ही काम करो. मैं तुम्हें अपने साथ काम करने के लिए मजबूर नहीं करूंगा."

"मैंने प्लॉट का अधिकांश भाग पहले ही खोद लिया है. लेकिन हम निश्चित रूप से पूरा काम करने वाली पहली टीम नहीं होंगे."

"कौन कहता है कि हम पहली टीम नहीं होंगे? वान्या लोज़किन और सेन्या बोब्रोव को देखो. उन्होंने हमसे भी कम खोदा है."

वो वान्या लोज़किन के प्लॉट के पास गया और उनका मज़ाक उड़ाने लगा:

"वाह खुदाई करने वाले हीरो! हम जल्द ही तुम्हारी मदद करने आएंगे."

लेकिन उन्होंने उसे भगा दिया. "बेहतर होगा कि तुम अपने काम पर वापिस जाओ, नहीं तो हमें तुम्हारी मदद करनी पड़ेगी."

मैंने कहा: "तुम बड़े अजीब हो, तुम दूसरों का मज़ाक उड़ाते हो जबकि तुमने खुद कुछ भी काम नहीं किया है! मैंने तुम्हें अपना साथी बनाकर बड़ी गलती की."

"चिंता मत करो," मिश्का ने कहा. "मेरे दिमाग में एक अद्भुत विचार है. कल हमारे प्लॉट पर बैनर लहरा रहा होगा, तुम देखना."

"तुम पागल हो," मैंने कहा. "हमारे प्लॉट पर अभी दो दिन का काम बचा है, और अगर तुम्हारा यही हाल रहा तो फिर हमें उसमें चार दिन लगेंगे."

"तुम देखना. मैं तुम्हें अपनी योजना के बारे में बाद में बताऊंगा."

"ठीक है, लेकिन अभी काम पर लग जाओ. देखो, ज़मीन अपने आप नहीं खुदेगी."



मिश्का ने खुदाई शुरू करने के लिए अपनी कुदाल उठाई, लेकिन तभी वित्या ने कहा कि रात के खाने का समय हो गया था, इसलिए उसने अपनी कुदाल अपने कंधे पर रखी और वो भोजन कक्ष की ओर चला गया.

रात के खाने के बाद हम सभी ने वित्या की बैनर बनाने में मदद की. हमने डंडों के लिए दो बांस के टुकड़े ढूंढे, कपड़े को काटा और सिला और डंडो को चमकदार पेंट से रंगा. वित्या ने बैनर पर चांदी के अक्षरों में "सर्वश्रेष्ठ माली" शब्द लिखे. बैनर बहुत सुंदर लग रहा था.

"चलो एक बिजूका (स्केयर-क्रो) भी बनाते हैं," मिश्का ने कहा. "कौवों को अपने बगीचे से दूर रखने के लिए."

सभी को वो विचार बेहद पसंद आया. हमें एक खंभा मिला, हाथों के लिए उस पर एक छड़ी बांधी, शर्ट के लिए एक पुराना बोरा लिया, और सिर के लिए उसके ऊपर एक मिट्टी का बर्तन रख दिया. मिश्का ने कोयले से बर्तन पर आंखें, एक नाक और एक मुंह बनाया और इस तरह हमारा बिजूका तैयार हुआ. वो काफी डरावना लग रहा था! हमने उसे बगीचे के बीच में खड़ा किया और हम उस पर खूब हंसे.

मिश्का मुझे एक तरफ ले गया और उसने मेरे कान में फुसफुसाया: "देखो यह रही मेरी योजना. आज रात जब बाकी सब सो जाएंगे तो हम जाकर अपना पूरा प्लॉट खोद डालेंगे, थोड़ा सा हिस्सा छोड़कर बाकी सब, जिसे हम कल आसानी से खत्म कर देंगे. मुझे यकीन है कि हम बैनर ज़रूर जीतेंगे."

"यदि तुम काम करोगे तो," मैंने कहा. "लेकिन तुम हमेशा मूर्खतापूर्ण बकवास में ही उलझे रहते हैं."



"इस बार मैं बहुत तेज़ी से काम करूंगा, तुम देखना."

"ठीक है. लेकिन अगर तुम काम नहीं करोगे तो फिर मैं भी नहीं करूंगा."

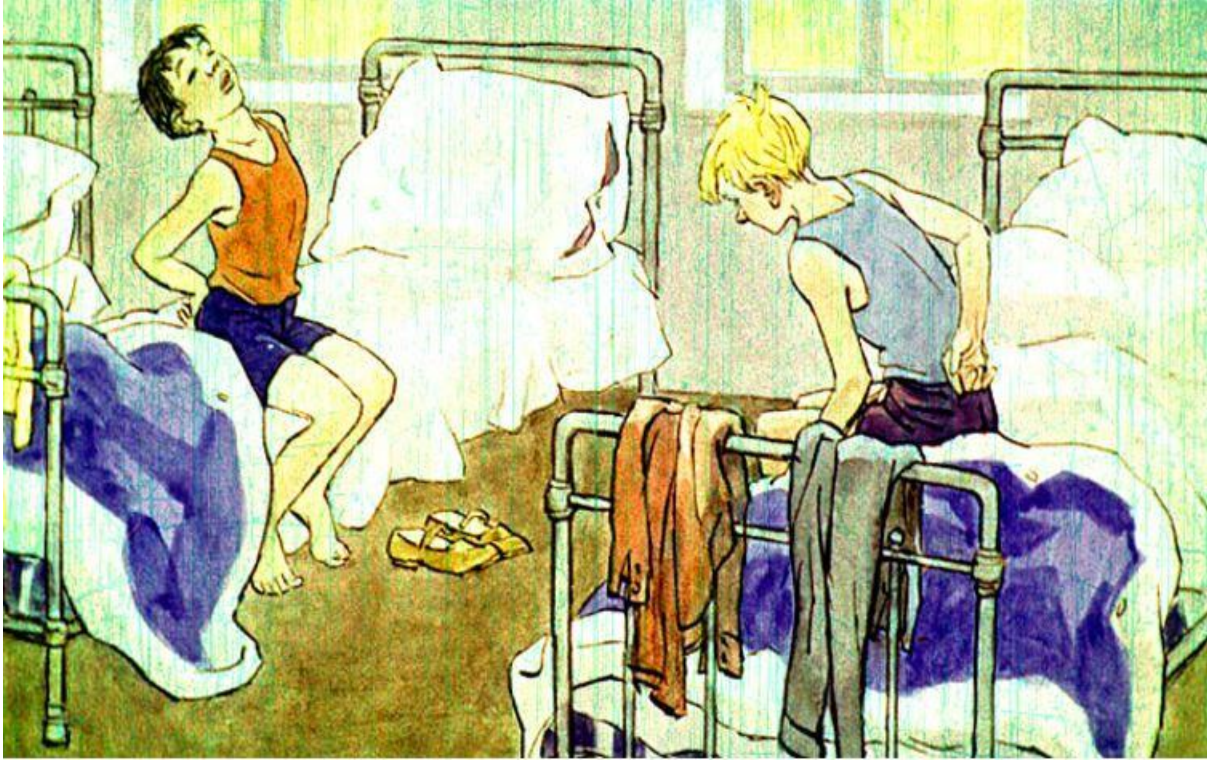
उस रात मिश्का और मैं बाकी लड़कों के साथ सोने गए. लेकिन हमने सिर्फ सोने का नाटक किया. जब सब कुछ शांत हो गया तो मिश्का ने मेरे पैर में एक चुटकी काटी. मुझे झपकी आ ही रही थी. "उठो," उसने जोर से फुसफुसाकर कहा. "बेहतर होगा कि हम खुदाई का काम शुरु करें नहीं तो हमें उस बैनर से अलविदा कहना होगा."

हम शयनकक्ष से बाहर निकले, अपनी कुदालें उठाईं और तेजी से प्लॉट की ओर चल पड़े. वो उजली चांदनी रात थी और सब कुछ साफ़ और स्पष्ट दिखाई दे रहा था.

कुछ ही मिनटों में हम अपने प्लॉट पर पहुंच गए.

"देखो हम पहुंच गए," मिश्का ने कहा. "यह हमारा प्लॉट है. मैं बीच में लगे ठूंठ से उसे पहचान सकता हूं."

हम काम पर लग गए. इस बार मिश्का ने वास्तव में तेज़ी से काम किया और जल्द ही हमने ठूंठ तक पूरी खुदाई कर दी. हमने ठूंठ को ऊपर खींचने का फैसला किया. हमने उसके चारों ओर की मिट्टी को ढीला किया और फिर उसे जितनी जोर से खींच सकते थे, खींचा, लेकिन ठूंठ टस-से-मस नहीं हुआ. हमें अपनी कुदाल से जड़ों को काटना पड़ा. वो एक कठिन काम था, लेकिन आख़िरकार हम वो भी कर पाए. फिर हमने मैदान को समतल किया और मिश्का ने ठूंठ को अगले प्लॉट में फेंक दिया.



"ऐसा करना अच्छी बात नहीं है," मैंने कहा.

"फिर हम उस ठूंठ को कहां रखते?"

"हम ठूंठ को अपने पड़ोसी के प्लॉट पर नहीं रख सकते हैं."

"ठीक है, चलो ठूंठ को नदी में फेंक देते हैं."

हमने ठूंठ उठाया और खींचकर नदी तक ले गये. वो बहुत भारी था और हमें उसे खींचने में बहुत मेहनत-मशक्कत करनी पड़ी. लेकिन आख़िरकार हम उसे किनारे तक लाये और उसे पानी में फेंक दिया. ठूंठ नदी में तैरता हुआ एक ऑक्टोपस की तरह लग रहा था, जिसकी जड़ें उसके ऊपर चिपकी हुई थीं. हम उसे तब तक देखते रहे जब तक वो हमारी नज़रों से ओझल नहीं हो गया और फिर हम सोने चले गए. उस रात बहुत अधिक खुदाई करने से हम बहुत थक गए थे. लेकिन अब हमारे पास खोदने के लिए थोड़ा सा ही टुकड़ा बचा था.

अगली सुबह हम दूसरों की तुलना में देरी से उठे. हमारा शरीर बहुत दर्द रहा था! हमारी बांहों में दर्द हो रहा था, हमारे पैरों में दर्द हो रहा था और हमारी पीठों में ऐसा लग रहा था मानो वे टूट रही हो!

"हमें क्या हुआ है?" मिश्का ने पूछा.

"हमने एक बार में बहुत अधिक खुदाई की है," मैंने जवाब दिया.



थोड़ा चलने के बाद हमें थोड़ा बेहतर महसूस हुआ और नाश्ते के समय मिश्का सबके सामने शेखी बघारने लगा कि हम निश्चित रूप से बैनर जीतेंगे.

नाश्ते के बाद हम सब बगीचे में गये. मिश्का और मैंने कोई जल्दी नहीं की. हमारे पास काफी समय था!

जब तक हम अपने प्लॉट पर पहुँचे, बाकी सभी लोग ऊदबिलावों की तरह अपने प्लॉट खोदने में व्यस्त थे. हम चलते-चलते उन पर हंसे.

"तुम लोगों को इतनी मेहनत करने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि तुम किसी भी तरह बैनर नहीं जीत पाओगे!" हमने उनसे कहा.

"बेहतर होगा कि तुम दोनों अपने काम पर लग जाओ!" वे वापस चिल्लाए.

तभी मिश्का ने कहा: "ज़रा इस प्लॉट को देखो. मुझे आश्चर्य है कि वो किसका प्लाट है. उन्होंने अभी तक कुछ भी नहीं खोदा है. वे घर पर गहरी नींद में सो रहे होंगे."

मैंने मार्कर को देखा. नंबर 12. "क्यों, यह तो हमारा ही प्लाट है!"

"वो नहीं हो सकता," मिश्का ने कहा. "हमने उस पर कहीं अधिक काम किया था."



मैंने सोचा और मुझे भी बात सही लगी.

"शायद किसी ने प्लॉट ने नंबर तो नहीं बदल दिए हैं."

"नहीं. बाकी सभी नंबर सही हैं. यहां नंबर 11 है और दूसरी तरफ नंबर 13 है."

हमने फिर से देखा और बीच में एक पेड़ का ठूंठ खड़ा हुआ देखा. हमें अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ.

"सुनो," मैंने कहा. "अगर यह हमारा प्लाट है तो वो ठूंठ वहां क्या कर रहा है? हमने तो उसे कल रात खोदकर बाहर निकाला था, है ना?"

"बेशक हमने किया था," मिश्का ने कहा. "उसके स्थान पर एक नया पेड़ रातो-रात तो नहीं उग सकता है."

तभी हमने अपने बगल वाले प्लॉट पर वान्या लोज़किन को यह कहते हुए सुना:

"देखो, साथियों! एक गज़ब का चमत्कार! कल यहां एक बड़ा ठूंठ था और अब वो न जाने कहां गायब हो गया है. वो भला कहां जा सकता है?"

हर कोई उस चमत्कार देखने के लिए दौड़ पड़ा. मिश्का और मैं भी वहां गए.



क्या हुआ? कल तक उन्होंने अपने प्लॉट का आधे से भी कम हिस्सा खोदा था लेकिन अब उनका केवल एक छोटा सा कोना ही बचा था.

"मिश्का," मैंने कहा. "तुम्हें पता है क्या? वो उनका प्लॉट था जिसे हमने कल रात खोदा था. और जो ठूंठ हमने खोदकर निकाला था वो भी उनका ही था."

"वो नहीं हो सकता!"

"पर वही सच है."

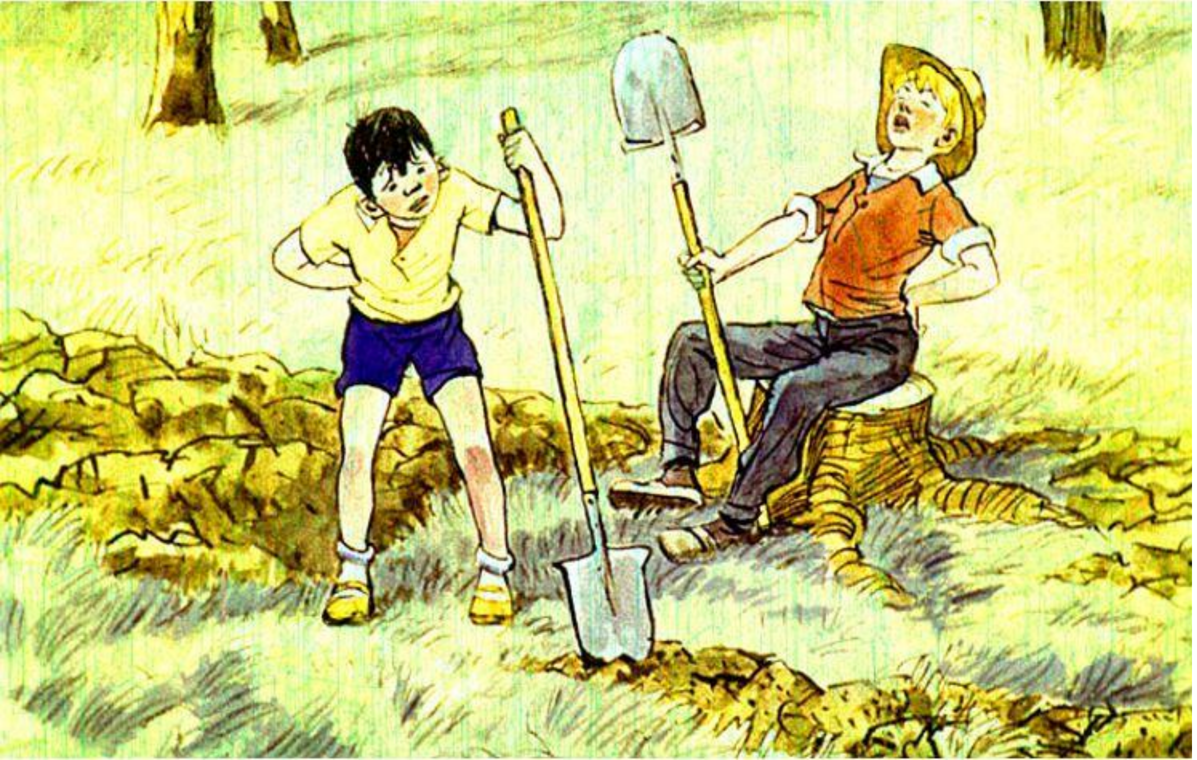
"अरे, हम क्या गधे हैं!" मिश्का कराह उठा. "अब हम क्या करें? ईमानदारी से उन्हें वो प्लॉट अब हमें दे देना चाहिए और हमारा प्लॉट खुद ले लेना चाहिए. हमारी सारी मेहनत बेकार गई!"

"चुप रहो," मैंने कहा. "तुम नहीं चाहते कि हम पूरे शिविर में हंसी के पात्र बनें, क्यों?"

"लेकिन अब हम क्या करें?"

"खोदो," मैंने कहा. "एक मशीन की तरह खोदो."

हमने अपनी कुदालें उठाईं. लेकिन जब हमने खुदाई शुरू की, तो हमारी बेचारी पीठ और हाथ-पैर में इतना दर्द हुआ कि हमें रुकना पड़ा. हमने अपने पड़ोसियों के प्लॉट पर इतनी मेहनत की थी कि अब हमारे पास अपने खुद के प्लॉट को खत्म करने की ताकत नहीं बची थी



जल्द ही वान्या लोज़किन और सेन्का बोब्रोव ने अपना प्लॉट पूरा कर लिया. वित्या ने उन्हें बधाई दी और उन्हें बैनर सौंप दिया. उन्होंने उसे अपने प्लॉट के बीच में गाढ़ दिया. बाकी सभी लोग इकट्ठे हुए और वे तालियां बजाने लगे. मिश्का वो बर्दाश्त नहीं कर सका.

"यह उचित नहीं है!" उसने कहा.

"वो उचित क्यों नहीं है?" वित्या ने पूछा.

"किसी ने उनके लिए वह ठूंठ उखाड़कर फेंक दिया. ऐसा उन्होंने खुद कहा है."

"वो हमारी गलती नहीं है, क्यों?" वान्या ने कहा. "शायद कोई उसे जलाऊ लकड़ी के लिए चाहता हो. यह उसका मामला है, हमारा नहीं."

मिश्का ने कहा, "हो सकता है कि किसी ने गलती से वो ठूंठ खोद डाला हो."

"अगर वो ठूंठ होता तो वो यहीं कहीं पड़ा होता."

"शायद किसी ने उस ठूंठ को नदी में फेंक दिया हो," मिश्का ने कहा.

"शायद, शायद ....लेकिन तुम कहना क्या चाहते हो?" लेकिन मिश्का चुप नहीं रह पाया.

"किसी ने कल रात तुम्हारे लिए खुदाई की," मिश्का ने कहा.

मैं उसे चुप रहने के लिए मना करता रहा. वान्या ने कहा:



"हो सकता है उन्होंने ऐसा किया हो. हमने अपने प्लॉट को नहीं मापा."

हम वापस अपने प्लॉट पर गए और हमने एक-साथ खुदाई शुरू कर दी. वान्या और सेन्का खड़े होकर हमें देखकर हंसते रहे.

"उन्हें देखो," सेन्का ने कहा. "वे कछुओं की तरह धीमे हैं."

"हमें उनकी मदद करनी चाहिए." वान्या ने कहा, "वे खुदाई में बाकी सभी से बहुत पीछे हैं."

फिर उन्होंने हमारी मदद की. उन्होंने खुदाई में हमारी मदद की और उन्होंने ठूंठ को बाहर निकालने में भी हमारी मदद की, लेकिन फिर भी हम अंतिम स्थान पर ही रहे.

किसी ने हमारे प्लॉट पर बिजूका लगाने का सुझाव दिया क्योंकि हमने सबसे अंत में अपना काम पूरा किया था. सभी को वो एक अद्भुत विचार लगा और इसलिए बिजूका हमारे प्लॉट पर खोदकर लगाया गया. लेकिन मिश्का और मुझे वो बात बहुत बुरी लगी.

"खुश हो जाओ!" लड़कों ने कहा. "अगर तुमने बुआई और निराई अच्छी तरह से की, तो हम बिजूका को तुम्हारे प्लॉट से हटा देंगे."

यूरा कोज़लोव ने एक प्रस्ताव रखा: "हम सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली टीम को भी एक पुरस्कार देंगे."



"ठीक है!" दूसरे चिल्लाए.

सेनका बोब्रोव ने कहा, "और शरद ऋतु में हम वो पुरुस्कार सबसे खराब फसल उगाने वाली टीम को देंगे. "मिश्का और मैंने कड़ी मेहनत करके उस बुरे बिजूका से छुटकारा पाने का फैसला किया. लेकिन हमारे तमाम प्रयासों के बावजूद वो पूरी गर्मियों भर हमारे प्लॉट पर खड़ा रहा. जब बुआई का समय आया तो मिश्का ने सबकुछ गड्डमगड्ड कर दिया. उसने गाजर के बीजों के ऊपर चुकंदर लगा दिए. और जब हमने निराई-गुड़ाई की तो उसने खरपतवार की जगह सारा पालक उखाड़कर फेंक दिया और हमें उसकी जगह मूली लगानी पड़ी. मैंने कई बार मिश्का का साथ छोड़ने की बात सोची लेकिन मैं अधर में अपने दोस्त को छोड़ना नहीं चाहता था. इसलिए मैं अंत तक मिश्का के साथ जुड़ा रहा.

और क्या आप यकीन करेंगे, अंत में मिश्का और मैंने ही बैनर जीता. सभी को आश्चर्य हुआ कि हमने खीरों और टमाटर की सबसे बड़ी फसल उगाई थी.

उसके बाद हंगामा मच गया!

"यह उचित नहीं है," दूसरों ने कहा. "वे हमेशा हर किसी से पीछे थे फिर उन्हें सबसे अधिक और अच्छी फ़सल कैसे मिली. वो कैसा हुआ?"

लेकिन वित्या ने कहा: "यह बिल्कुल उचित है. हो सकता है कि वे बाकी सभी की तुलना में धीमे रहे हों, लेकिन उन्होंने अपने प्लॉट पर बड़ी अच्छी तरह से काम किया और उन्होंने कड़ी मेहनत की."



वान्या लोज़किन ने कहा: "लगता है उन्हें अच्छी ज़मीन मिली, बस यही बात है. मुझे और सेनका को एक ख़राब प्लाट मिला. यही कारण है कि हमारी फसल भी ख़राब हुई, हालांकि हमने भी कड़ी मेहनत की. और अब वे अपना पुराना बिजूका भी रख सकते हैं. वो पूरी गर्मी उनके ही पास था."

"हमें उससे कोई आपत्ति नहीं है," मिश्का ने कहा. "हम उसे ख़ुशी से लेंगे."

सब लोग हंस पड़े. मिश्का ने कहा: "अगर वो बिजूका नहीं होता तो हम कभी भी बैनर नहीं जीत पाते!"

"वो कैसे?" सबने पूछा.

"क्योंकि बिजूका ने कौवों को हमारे प्लाट से दूर भगाया और इसीलिए हमें सबसे बड़ी फसल मिली. इसके अलावा, बिजूका हमें हर समय याद दिलाता रहा कि हमें कड़ी मेहनत करनी चाहिए."

मैंने मिश्का से कहा: "बताओ अब हम उस मूर्ख बूढ़े बिजूका का क्या करें?"

"चलो उसे नदी में फेंक देते हैं," मिश्का ने कहा.

हम बिजूका को नदी के नीचे ले गए और हमने उसे पानी में फेंक दिया. हमने बिजूका को अपनी बाहें फैलाए हुए नदी में बहते हुए देखा. हमने बिजूका को और तेज़ गति से बहने के लिए पानी में पत्थर फेंके. जब बिजूका चला गया तब हम शिविर में वापस लौटे.

उस दिन ल्योशा कुरोच्किन ने, हमारे प्लॉट पर चैलेंज बैनर के पास खड़े होकर मिश्का और मेरी फोटो खींची. इसलिए यदि आप हमारी एक फ़ोटो चाहते हों तो हमें उसे आपको भेजने में खुशी होगी.